Dainik Bhaskar (Indore), 13th May 2025, Page – 07

दीक्षांत समारोह के डेढ़ महीने बाद भी जारी नहीं हो सकी आईआईएम की प्लेसमेंट रिपोर्ट

बगैर नौकरी के घर लौटे कई आईआईटीयन आईआईएम भी प्लेसमेंट करने में पिछड़ रहा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कॉलेज और यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि आईआईएम और आईआईटी जैसे संस्थान से पढ़ने वाले कई विद्यार्थियों को नौकरियां नहीं मिल पा रही हैं। प्लेसमेंट के मामले में इस बार आईआईएम और आईआईटी बुरी तरह पिछड़ गए हैं। आईआईएम जहां दीक्षांत समारोह के डेढ़ महीने बाद तक प्लेसमेंट रिपोर्ट जारी नहीं कर पाया, वहीं आईआईटी की 2025 बैच की परीक्षा भी खत्म हो गई है। इसके बाद कई ग्रेजुएट्स को बगैर नौकरी के सिर्फ डिग्री लेकर अपने घर लौटना होगा।

शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय समिति की रिपोर्ट में भी जानकारी दी गई कि आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी, आईआईएम जैसे संस्थान कैंपस प्लेसमेंट में पिछड़ते जा रहे हैं। समिति ने कैंपस प्लेसमेंट में बढ़ोतरी के लिए रिपोर्ट में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को रोजगार क्षमता बढ़ाने पर काम करने की सिफारिश भी की है।

आईआईटी : एलुमनी की मदद ली, सिविल में 71 प्रतिशत को ही मिली थी नौकरी

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर में प्लेसमेंट सीजन दिसंबर-जनवरी तक चलता है। मार्च तक इक्का-दुक्का कंपनियां प्लेसमेंट प्रक्रिया करती रहती हैं। पिछले सत्र में बेहद बुरे दौर से गुजरने के बावजूद आईआईटी ने मार्च 2024 में प्लेसमेंट रिपोर्ट जारी कर दी थी। बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के सिर्फ 71 प्रतिशत विद्यार्थियों को ही जॉब मिल पाई थी। इस बैच का औसत पैकेज 32.89 लाख रुपए रहा। कई विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दिलाने के लिए आईआईटी प्रबंधन को एलुमनी की मदद लेना पड़ी। बताया जा रहा है कि इस बार भी प्लेसमेंट की स्थिति ठीक नहीं रही है। यही कारण है कि आईआईटी की प्लेसमेंट सेल ने फाइनल परीक्षा तक कोई भी रिपोर्ट तैयार नहीं की।

जुलाई में मिलेगी डिग्री

आईआईटी की 2025 बैच के ग्रेजुएट्स के लिए दीक्षांत समारोह जुलाई में प्रस्तावित है। इस समारोह में सभी पासआउट को डिग्री और टॉपरों को मेडल प्रदान किए जाएंगे। इससे पहले परीक्षा खत्म होने के कारण सभी आईआईटीयन को अगले सप्ताह तक होस्टल छोड़ना होंगे।

हर बार एक जवाब- सप्ताह में जारी करेंगे

आईआईटी इंदौर के 2025 बैच के कैंपस प्लेसमेंट को लेकर आईआईटी प्रबंधन लगातार टालमटोल कर रहा है। आईआईटी के मीडिया प्रभारी सुनील कुमार से डेढ़ महीने से प्लेसमेंट को लेकर बार-बार पूछे सवालों का एक ही जवाब है कि प्लेसमेंट के आंकड़े सप्ताहभर में जारी कर दिए जाएंगे। फाइनल परीक्षा होने तक रिपोर्ट नहीं आ सकी।

आईआईएम : पिछले साल घटा पैकेज, करोड़ों के ऑफर में भी कमी

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), इंदौर का पिछला प्लेसमेंट सीजन बेहद चौंकाने वाला रहा था। 2023 बैच के जहां 12 पासआउट को एक करोड़ रुपए से अधिक का पैकेज मिला वहीं, 2024 में सिर्फ 1 को ही एक करोड़ रुपए का ऑफर मिल सका। हैरान करने वाली बात यह थी कि एक भी विदेशी कंपनी ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। इससे लगातार तीसरे साल कंपनियों की संख्या में कमी आई। 2022 में 180 और 2023 में 160 कंपनी प्लेसमेंट के लिए आई। 2024 में ये संख्या 150 पर पहुंच गई। हालांकि, प्रबंधन का दावा है कि इस बार 220 कंपनियों ने प्लेसमेंट दिए हैं। एक ही साल के औसत पैकेज में भी करीब 5 लाख की बड़ी गिरावट दर्ज हुई।

6 ने चुनी आंत्रप्रैन्योरशिप, 3 करेंगे रिसर्च

आईआईएम प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार 2025 बैच के 591 पासआउट ने प्लेसमेंट प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्रेशन कराए थे। इन सभी को पसंदीदा सेक्टर में ऑफर मिले हैं। 9 ग्रेजुएट प्लेसमेंट से दूर रहे। इनमें से 6 ने आंत्रप्रेन्योरशिप की राह चुनी है। बाकी 3 आगे पढ़ाई या फिर रिसर्च वर्क करेंगे।

आधिकारिक रिपोर्ट जल्द आएगी

इधर, आईआईएम प्रबंधन के अनुसार इस बार 30 नई कंपनियां प्लेसमेंट के लिए आईं। सबसे ज्यादा 35 प्रतिशत ऑफर कंसल्टेंसी क्षेत्र से मिले हैं। हालांकि, अधिकारिक रिपोर्ट के सवाल पर प्रबंधन हर बार जल्द रिपोर्ट जारी करने की बात कह रहा है।

डीएवीवी : दो साल से नहीं बनी रिपोर्ट

डीएवीवी भी प्लेसमेंट के मामले में पिछड़ती जा रही है। आईईटी, आईएमएस, आईआईपीएस, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस सहित कुछ विभागों को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर विभागों में एक भी कंपनी प्लेसमेंट के लिए नहीं आ रही। 2023 में आईआईपीएस के एक छात्र को 1 करोड़ 13 लाख का पैकेज ऑफर हुआ था। इसके बाद से अब तक कोई प्लेसमेंट रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है।